Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

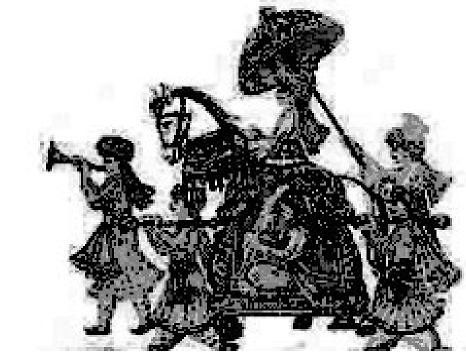

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

उत्तराखंड बोर्ड का दसवीं व बारहवीं का परीक्षा परिणाम घोषित

हाईस्कूल में अनंता व इंटर में शताक्षी रहीं टॉपर

परिणाम

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की ओर से संचालित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। परिणाम परिषद के सभागार में परिषद के निदेशक आरके कुंवर द्वारा घोषित किया गया। हाईस्कूल में एमबी एमआइसी नथुवावाला देहरादून की अनंता सकलानी ने 99 प्रतिशत अंकों के साथ बोर्ड टॉप किया है। वहीं, इंटरमीडिएट में एसबी एमआइसी चिन्यालीसौड़ की शताक्षी तिवारी ने 98.0 फीसद अंक लाकर परीक्षा टॉप की है।

हाईस्कूल की परीक्षा में एसबी एमआईसी ऋषिकेश के अर्पित बर्थवाल ने 98.6 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया है। एसबीएम इंटर कॉलेज सितारगंज की सुरभि गहतोड़ी ने 98.4 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

वहीं, इंटरमीडिएट की परीक्षा में एमबी एमआइसी चिन्यालीसौंण उत्तरकाशी के छात्र सक्षम ने 97.8 प्रतिशत अंक लाकर दूसरा व केएन उप्रेती जीआइसी पिथौरागढ़ के हरीश सिंह बोहरा ने 96.8 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हाईस्कूल और इंटर दोनों कक्षाओं में बेटियां टॉपर रही हैं। इस बार बोर्ड का हाईस्कूल परीक्षा परिणाम 76.43 रहा है। जबकि इंटरमीडिएट में 82.47 प्रतिशत बच्चों ने कामयाबी हासिल की है। गुरुवार को सभापति आरके कुंवर की देखरेख में परीक्षा परिणाम घोषित हुआ।

विद्यालयी शिक्षा सचिव डॉ. नीता तिवारी के अनुसार इस बार उत्तराखंड बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में 149927 व 12वीं में 124867 छात्र–छात्राओं ने परीक्षा दी थी।

उत्तराखंड बोर्ड की दसवीं व बारहवीं परीक्षा का परिणाम घोषित करते उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के निदेशक आरके कुंवर।

उत्तराखंड बोर्ड की दसवीं व बारहवीं परीक्षा की टॉपर अनंता व शताक्षी।

100 में 100

दून के रहने वाले प्रशांत सकलानी और सुनीता सकलानी की बेटी अनंता सकलानी को गणित और इंग्लिश में पूरे 100 नंबर मिले हैं। साइंस और सोशल साइंस में 99–99 नंबर अनंता ने हासिल किए हैं। उन्हें हिंदी में 97 और आईटी में 85 नंबर मिले हैं. अनंता देहरादून के नत्थुवाला के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्रा हैं। हाईस्कूल परीक्षा परिणाम 76.43 रहा है। जबकि इंटरमीडिएट में 82.47 प्रतिशत रहा। लड़कियों का सफलता प्रतिशत अधिक रहा है।

बालिकाओं का सफलता प्रतिशत अधिक रहा है। इंटरमीडिएट टॉप 25 रैंक में 100 स्टूडेंट्स शामिल हैं। बोर्ड परीक्षा में इस बार बागेश्वर जिला नंबर वन पोजिशन पर है। बागेश्वर के 85.99 प्रतिशत बच्चों ने परीक्षा पास करने में सफलता हासिल की है।

न्यूज डायरी

राज्यपाल ने उत्तराखंड बोर्ड में उत्तीर्ण सभी छात्र–छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी

संवाददाता देहरादून। राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने उत्तराखंड बोर्ड की 10वीं व 12वीं कक्षा में उत्तीर्ण सभी छात्र–छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने 10वीं में देहरादून की अनंता सकलानी व 12वीं में उत्तरकाशी की शताक्षी तिवारी द्वारा प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त करने हेतु उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्हें राज्य की बेटियों की इस उपलब्धि पर गर्व है। बेटियों ने एक बार पुनः सिद्ध कर दिया कि वे किसी से कम नहीं होती हैं। राज्यपाल ने परीक्षा में अपेक्षाकृत सफलता प्राप्त न कर पाने वाले विद्यार्थियों का भी हौसला बढ़ाते हुए उन्हें दूनी लगन और उत्साह से आगामी परीक्षाओं हेतु जुट जाने को कहा है।

6 आईएएस. 11 पीसीएस ने दी अचल सम्पत्ति अर्जित करने की सूचना

संवाददाता देहरादून। भारतीय सेवा आचरण नियमावली तथा उत्तराखंड कर्मचारी आचरण नियमावली में हर अचल सम्पत्ति अर्जित करने की पूर्व सूचना देने का प्रावधान केन्द्र व राज्य सरकार कितनी ही पारदर्शिता तथा भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की बातें करें लेकिन उसके बड़े अधिकारी ही पारदर्शिता व भ्रष्टाचार नियंत्रण के बने कानूनों का पालन नहीं कर रहे हैं जहां बड़ी संख्या में आई.ए.एस. व पी.सी.एस. अधिकारी अपने वार्षिक सम्पत्ति विवरण नहीं जमा कर रहे है वहीं अचल सम्पत्ति आर्जित करने की पूर्व सूचना भी नहीं दे रहे हैं। 01 जनवरी 2017 से 14 मई 2019 तक लगभग ढाई वर्ष की अवधि में उत्तराखंड में केवल 6 आई.ए.एस. तथा 11 पी.सी.एस. अधिकारियों ने अचल सम्पत्ति अर्जित करने की सूचना उत्तराखंड शासन को दी है।

सरकारी भवनों पर निगम कर रहा टैक्स लगाने की तैयारी

संवाददाता देहरादून। नगर निगम नए वित्तीय वर्ष से सरकारी भवनों के माध्यम से टैक्स लेने की तैयारियों में जुट गया है। जिसके लिए नगर निगम ने शहर में सर्वे कराने का काम भी शुरू कर दिया है। इस सर्वे में सभी सरकारी भवनों के साथ–साथ सरकारी कार्यालय भी शामिल किए जाएंगे। दून में सचिवालय, विधानसभा, डीएम कार्यालय और यमुना कॉलोनी में मंत्रियों के आवासों पर भी भवन कर लगाने की तैयारी की जा रही है। नगर निगम पिछले वित्तीय वर्ष तक सिर्फ निजी भवनों से भवन कर लेने का काम कर रहा था, लेकिन इस बार अब नगर निगम ने राजस्व बढ़ाने जा रहा है। जिसके लिए इस वित्तीय वर्ष में देहरादून के सभी सरकारी कार्यालय और भवनों का सर्वे शुरू कर दिया गया है।

शहर के निजी स्कूलों पर टैक्स वसूलने की तैयारी

संवाददाता देहरादून। नगर निगम फिर से अब शहर के निजी स्कूलों से भी भवन कर वसूलने कोशिश शुरू करेगा। हालांकि बीते वित्तीय वर्ष में निगम ने कुछ बड़े स्कूलों पर प्रॉपर्टी टैक्स भी लगाया था। लेकिन इस मामले को लेकर स्कूल संचालक कोर्ट पहुंच गए थे। यह मामला कोर्ट में लंबित पड़ा है। ऐसे में अब निगम इन स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने की तैयारी कर रहा है।

शहर में छोटे–बड़े करीब 500 निजी स्कूल हैं. यह सभी स्कूल अब तक नगर निगम को प्रॉपर्टी टैक्स नहीं दे रहे थे।नगर निगम ने इस वित्तीय वर्ष में इन सभी स्कूलों का सर्वे करा रहा है। जल्द ही इन सभी स्कूलों से टैक्स वसूलने का काम किया जाएगा। नगर निगम निजी स्कूलों को व्यावसायिक श्रेणी में रखा है।

हालांकि शहर के बड़े स्कूल जैसे कान्वेंट ऑफ जीसस एंड मैरी, वेल्हम बॉयज और दून स्कूल का भवन कर से जुड़ा मामला कोर्ट में लंबित चल रहा है। इसके अलावा नगर निगम ने सरकारी कार्यालय, कॉलेज, बड़े संस्थान, पुलिस मुख्यालय, सचिवालय, गेस्ट हाउस, एमएलए हॉस्टल और विधानसभा को भवन कर वसूलने के लिए नोटिस भेजा है।

बिना चिकित्सयी सुविधाओं के चल रहा राजकीय संयुक्त अस्पताल

मसूरी। पहाड़ों की रानी में मसूरी में नवनिर्मित राजकीय संयुक्त (सिविल) अस्पताल शुरू तो हो गया, लेकिन अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई है। यहां पर डॉक्टर, नर्स और स्टाफ तैनात नहीं किये गये हैं। महज तीन डॉक्टर के भरोसे ही अस्पताल चल रहा है। अस्पताल में मशीनें और दवाइयां भी पर्याप्त नहीं है। ऐसे में मसूरी और आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिसे लेकर स्थानीय लोगों में खासा रोष दिखाई दे रहा है। मसूरी सिविल अस्पताल का लोकार्पण बीते 6 मार्च को मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने किया था।

लोकार्पण के दौरान सीएम ने अस्पताल में सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराने की घोषणा की थी, लेकिन अस्पताल में 22 में से केवल तीन डॉक्टर ही कार्यरत हैं। इतना ही नहीं अस्पताल में ना तो कोई स्टाफ नर्स तैनात हैं ना ही कोई कर्मचारी। मसूरी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सतीश ढौंडियाल ने बताया कि संयुक्त अस्पताल को खुलवाने के लिए उनकी पार्टी ने सरकार का पूरा सहयोग किया है, लेकिन अस्पताल में ना ही डॉक्टर है ना कर्मचारी तैनात हैं। उन्होंने कहा कि वो सरकार से स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग करेंगे। बावजूद उनकी मांगों पर कार्रवाई ना होने पर वो सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे।

वहीं, संयुक्त अस्पताल के सीएमएस डॉ. आरएस पाल का कहना है कि सरकार ने अस्पताल की मांग को पूरा किया है। जल्द ही अस्पताल में सभी सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएगी। चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लागू थी, ऐसे में कोई भी सरकारी आदेश जारी नहीं किए जा सकते थे। आचार संहिता खत्म होने के बाद अस्पताल में डॉक्टर, स्टाफ की कमी को अब दूर किया जाएगा।

दोबारा संभाल सकते हैं हरीश रावत संगठन की कमान

संवाददाता

देहरादून। लोकसभा चुनाव में उत्तराखण्ड में कांग्रेस की करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस आत्मंथन में लगी हुई है। साथ ही सूत्रों से यह भी संकेत मिल रहे है कि पार्टी आलाकमान हरीश रावत को दोबारा उत्तराखण्ड में संगठन की कमान सौंपने की तैयारी कर रही है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार का जिम्मेदारी के लिए राजनीतिक गलियारों में चर्चा जोरों पर है। चर्चाओं के अनुसार जब से उत्तराखण्ड में प्रीतम सिंह ने कांग्रेस संगठन की कमान संभाली थी। तब से पार्टी संगठन की गतिविधियां काफी ढीली ढाली हो गयी थी। जिसके चलते कांग्रेस संगठन किसी भी मामले में त्रिवेन्द्र सरकार को घेरने में विफल साबित रहा। उपर से प्रदेश संगठन ने पूरी तरह से हरीश गुट से भी

■उत्तराखण्ड में कांग्रेस की करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस आत्ममंथन में लगी हुई है

■हार का ठीकरा प्रदेश कांग्रेस संगठन की कमजोर गतिविधियों पर फोड़ा

दूरी बनाए रखी। जिसके चलते कांग्रेस दो धड़ों में बंट गयी और दोनों ही धडे एक दुसरे की टांग खीचने का काम चुनाव तक करते रहे। नतीजन कांग्रेस का उत्तराखण्ड में पूरी तरह से सूपड़ा साफ हो गया। जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में इस हार का ठीकरा प्रदेश कांग्रेस संगठन की कमजोर गतिविधियों पर फोड़ा जा रहा है।

बताया जा रहा है कि राज्य गठन के समय जब उत्तराखण्ड में कांग्रेस पूरी तरह से जीर्णशीर्ण हालत में थी। उस समय हरीश रावत को प्रदेश संगठन की कमान सौंपी गयी थी। जिसके बाद हरीश रावत के अथक प्रयासों की बदौलत उत्तराखण्ड में कांग्रेस एक बार तो मजबूती के चरम तक पहुंच गयी थी। इतना ही नही राज्य के पहले आम चुनाव में कांग्रेस सत्ता पर काबिज हुई थी।

हरीश रावत के संगठन से हटने के बाद जितने भी प्रदेश संगठन में मुखिया बने वे उस हिसाब से कांग्रेस की लोप्रियता जनता के बीच बनाए रखने में सफल नही हो पाए। अब के जब उत्तराखण्ड में फिर से कांग्रेस हाशिए पर पहुंच गयी है।

ऐसे में राजनीतिक गलियारों में चर्चा जोरों पर चल रही है कि कांग्रेस आलाकमान एक बार फिर हरीश रावत को उत्तराखण्ड में कांग्रेस संगठन को नए सिरे से आक्सीजन देने के लिए आगे कर सकती है।

मसूरी में अतिक्रमण हटाओ अभियान से व्यापारियों में आक्रोश

संवाददाता मसूरी। एसडीएम मसूरी गोपाल राम के नेतृत्व में एक बार फिर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इसके तहत मसूरी मॉल रोड के पिक्चर पैलेस चौक, ग्रीन चौक सहित अन्य कई जगह से अतिक्रमण को जेसीबी के माध्यम से हटाया गया। व्यापारियों का आरोप है कि एक ओर गरीब लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाया जा रहा है, वहीं, बड़े और ऊंचे रसूख वाले लोगों के अतिक्रमण को छोड़ा गया. मसूरी व्यापार मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने नगरपालिका कर अधीक्षक गिरीश सेमवाल द्वारा उनके साथ किए गए अभद्रता को लेकर जमकर हंगामा किया। रजत अग्रवाल ने कहा कि एक ओर तो व्यापार मंडल मसूरी से अतिक्रमण को हटाने को लेकर प्रशासन का पूरा सहयोग कर रहे हैं, वहीं अधिकारी उनके साथ अभद्रता कर रहे हैं। जो बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अग्रवाल ने कहा कि पालिका प्रशासन और मसूरी विधायक गणेश जोशी के द्वारा उनको अतिक्रमण को हटाने के लिए कुछ समय देने का आश्वासन दिया गया। परंतु एका–एक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर उनके साथ धोखा किया गया है।